

बी.ए. तृतीय वर्ष
सैन्य विज्ञान
रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन केन्द्र

सामान्य निर्देश :

1. कुल दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 75-75 अंक के होंगे, जबकि एक प्रायोगिक पत्र 50 अंक का होगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पत्र में अलग-अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. प्रत्येक सैद्धान्तिक पत्र के लिए 45 मिनट के 4 शैक्षणिक अवधि के कालांश होंगे अथवा 60 मिनट के 6 शैक्षणिक अवधि के कालांश प्रति सप्ताह दोनों पत्रों के लिए निर्धारित होंगे।
3. प्रायोगिक पत्र हेतु 45 मिनट के चार कालांश अथवा 60 मिनट के तीन कालांश प्रत्येक सप्ताह 20 विद्यार्थियों के दल (Group) के लिए होंगे।

योजना :

प्रथम प्रश्न पत्र	अवधि 3घंटे	पूर्णांक 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक 27
द्वितीय प्रश्न पत्र	अवधि 3घंटे	पूर्णांक 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक 27
प्रायोगिक पत्र	अवधि 3घंटे	पूर्णांक 50	न्यूनतम उत्तीर्णांक 18

परीक्षा योजना

भाग	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	10	1	10
ब	5	7	35
स	3	10	30
		कुल	75

प्रथम-पत्र

सैन्य विचारक

कुल अंक : 75

समय: 3 घंटे

इकाई 1: अ. युद्ध का राजनीति का प्रभाव

ब. समग्र (Total) युद्ध का सिद्धान्त स. राष्ट्रीय स्वयं सेना
वॉबन- अ. विज्ञान का युद्धों पर प्रभाव ब. किलेबन्दी की कला
स. किलों की घेराबन्दी

कौटिल्य- अ. सेनाओं के सम्बन्ध में, ब. किलेबन्दी के सम्बन्ध में, स. गुप्तचर व
राजदूत के सम्बन्ध में द. युद्ध नीति के सम्बन्ध में

इकाई 2: फौज़िक महान : अ. तिरछा आक्रमण (आब्लिक अटैक) ब. अनुशासन एवं प्रशिक्षण

गुस्तावस एडाल्फस : अ. आधुनिक तोपखाना का निर्माण ब. सेनाओं का प्रशिक्षण व
सुधार स. सैन्य संगठन एवं संरचना

सन्तजू : अ. युद्ध योजना, राष्ट्र एवं युद्ध, युद्ध का महत्व

इकाई 3: नेपोलियन की युद्ध कला, जोमिनी के युद्ध सिद्धान्त, क्लाजविट्ज की युद्ध की प्रकृति

इकाई 4: जे.एफ.सी.फुलर की युद्ध योजना एवं विचार

कैप्टन लिडिल हार्ट की युद्ध योजना एवं विचार, एडॉल्फ हिटलर की रणनीति एवं
विचार

इकाई 5: डू-हेट-वायुशक्ति के सिद्धान्त, ए.टी. महान-नौ-सैनिक (Navy) सिद्धान्त

माओ-त्सें-तुंग-युद्ध का विचार

अनुशासित पुस्तकें

Second World War, J.F.C.Fuller

Maker's of modern strategy: E.M.Eart

The art of war: Arthor Birmi

On war: Clausewitz

Thoughts on war: Captan Liddle Hart

पश्चात्य सैन्य विचारक - प्रो. आर.सी.जौहरी

पश्चात्य सैन्य विचारक - डॉ. लल्लन सिंह

सैन्य विचारक : डॉ. वाई.के.शर्मा व निगम

सैन्य विचारक : के. एन. श्रीवास्तव

संसार का सैन्य इतिहास : डॉ. एस.के. मिश्र

स्त्राँतजिक विचारक : पाण्डेय व पाण्डेय

द्वितीय पत्र

सैन्य मनोविज्ञान

कुल अंक 75

समय: 3 घंटे

- इकाई 1: मनोविज्ञान का अर्थ, मनोविज्ञान का युद्ध में महत्व एवं सम्बन्ध, सैन्य मनोविज्ञान के उपयोग
- इकाई 2: प्रशिक्षण काल में समायोजन, संग्राम से समायोजन, कमान दक्षता तथा विश्राम
- इकाई 3: सेना में नेतृत्व का महत्व, गुण एवं प्रकार, अनुशासन का महत्व, प्रकार एवं समस्याएं, अनुशासन का उद्देश्य तथा अनुशासन-हीनता का उपचार
- इकाई 4: मनोबल का अर्थ एवं सेना में महत्व, मनोबल को प्रभावित करने वाले तत्व एवं मनोबल सिद्धान्त, भय के कारण, समस्याएं एवं समाधान
- इकाई 5: आतंक की विशेषताएं, लक्षण एवं नियंत्रण करने के नियम, संप्रेरण (Motivation) की सेना में महत्व, मानसिक दबाव, कारण एवं निवारण

अनुशासित पुस्तकें

Psychology and the soldier: F.C.Vartley

Psychology and the soldier: Concted

सैन्य मनोविज्ञान : डॉ. परशुराम गुप्ता

सैन्य मनोविज्ञान : पुष्पा जैन, प्रकाशन बुक डिपो, बरेली

सैन्य मनोविज्ञान : डॉ. लल्लनसिंह

प्रायोगिक कार्य : रक्षा एवं सत्रातेजिक अध्ययन केन्द्र

कुल अंक : 50

समय: 30 घंटे

प्रायोगिक कार्य	:	10 अंक
प्रयोगशाला कार्य	:	30 अंक
मौखिकी	:	10 अंक

इकाई 1: पैदल सैना के सेक्सन स्तर के अभ्यास

अ. सेक्सन संरचना (Section formation)

ब. सेक्सन संख्या व हथियार

➤ पैदल सैना के प्लाटून स्तर के अभ्यास

अ. प्लाटून संरचना (Platoon Formation)

ब. लाटून की संख्या, साधन व प्रमुख हथियार

इकाई 2: फायर का प्रयोग, फायर नियंत्रण आदेश, क्रम एवं युद्धों में इसका महत्व सहित, लक्ष्य निर्देशन तथा पहचान, दूरी का अनुमापन एवं दूरी का अनुमान लगाने के तरीके ।

इकाई 3: गश्ती दल, पेट्रोल के प्रकार, गश्त करने की अवस्थाएं, युद्ध के समय गश्तीदल का कार्य ।

सैनिक सन्देश लेखन का महत्व, प्रकार एवं सैनिक सन्देश प्रपत्र भरना ।

इकाई 4: सांग्रामिक कार्यविधि (Battle procedure) आवश्यक निर्देश तथा फैलाव के लिए गुपिंग ।
मौखिक आदेश, मौखिक आदेश का क्रम, आवश्यक निर्देश

इकाई 5: किसी सैद्धान्तिक विषय पर 10 मिनट का व्याख्यान

नोट: लिखित प्रयोगात्मक परीक्षा 30 अंक की तथा मौखिक व रिकार्ड 5+5 (10) अंक का होगा, जबकि व्याख्यान 10 अंक का होगा ।

अनुशंसित पुस्तकें

सेक्सन ट्रेनिंग अभ्यास : मेजर वार्ड

समरतान्त्रिक अभ्यास : एम.वी.वर्मा व शर्मा

समरतान्त्रिक अभ्यास : डॉ. नरेन्द्र सिंह

प्रयोगात्मक पैदल समरतन्त्र : डॉ. एस.के. मिश्र: मॉडन प्रकाशन, जालंधर

प्रयोगात्मक सैन्य विज्ञान भाग-2 : श्रीवास्तव

B.A. PART FINAL
DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

Scheme of Examination

General Instruction

1. There will be two theory papers 75 Marks each and Practical of 50 marks. The candidate will be required to pass in theory and practical separately.
2. Each theory paper will require four teaching periods of 45 minutes and six teaching period of 60 minutes for both papers per week.
3. Practical paper will require four period of 45 minutes or 3 periods of sixty minutes per week for a batch of 20 students.

Scheme :

Paper I	3 Hrs.	Max. Marks 75	Min. passing Marks 27
Paper II	3 Hrs.	Max. Marks 75	Min. passing Marks 27
Practical	3 Hrs.	Max. Marks 50	Min. passing Marks 18

PAPER I

MILITARY THINKER

Unit 1 Machiavelli : a) Effect of war in politics b) Principles of Total war c) Self National Army
Vauban : a) Effect of science in war b) Art of fortification c) Siege of fort
Kautilya : a) About armed forces b) About fortification c) About spy and ambassador d)
About war policy

Unit 2 Fredrick the Great : a) Oblique attack b) Discipline and training
Gustavas Adophus : a) Father of modern artillery b) Military reform and training c)
Military organization and formation
Sun-Tzu a) War strategy b) Nation and war c) Importance of war

Unit 3 Napoleon art of war, Jomini's principle of war, Clausewitz's nature of war

Unit 4 War thoughts and strategy of J.F.C. Fuller
War thoughts and strategy of Captain Liddle Hart
War thoughts and strategy of Adolf Hitler

Unit 5 Douhet is theory of air power
A.T. Mohan's Theory of Sea Power
Thoughts on war by Mao-Tse-Tung

BOOKS RECOMMENDED

Second World War : J.F.C. Fuller
Maker's of modern strategy : E.M. Earl
The Art of War : Arthor Birni
On War : Clausewitz
Thoughts on war : Captain Liddle Hart
Pashchatya Sainya Vicharak : Prof. R.C. Johri
Pashchatya Saiya Vicharak : Dr. Lallan Singh
Sainya Vicharak : Dr. Y.K. Sharma and Nigam
Sainya Vicharak : K.N. Shrivastava
Sansar Ka Sainya Itihas

PAPER II

MILITARY PSYCHOLOGY

Unit 1 Meaning of psychology

Importance and relation of psychology in war

Utility of military psychology

Unit 2 Adjustment in training period, Adjustment in war period, Command capability and rest

Unit 3 : Importance, advantage and kinds of leadership in armed forces

Importance, kinds and problems of discipline

Aim of discipline and treatment of indiscipline

Unit 4 : Meaning of morale and its importance in armed force.

Principles of morale and elements of effective morale.

Causes, problems and treatment of fear

Unit 5 : Importance and feature of terror and rule of its control

Importance of motivation and its role in armed forces

RECOMMENDED BOOKS

Psychology and the soldier : F.C. Vartley

Psychology and the soldier : Contacted

Sainya Manovighan : Dr. Parshuram Gupta

Sainya Manovigyan : Pushpa Jain, Prakash Book Depot, Barailey

Sainya Manovigyan : Dr. Lallan Singh

PRACTICAL

Max Marks : 50

Time : 3 Hrs.

Practical Records : 10 Marks

Laboratory Work : 30 Marks

Viva-voce : 10 Marks

Unit 1 Elementary tactics upto infantry section level

a) Section formations :b) Section strength and weapons

Elementary tactics up to infantry platoon level

a) Platoon formation b) Platoon strength weapons and equipments

Unit 2 Application of fire, fire control order, sequence and its importance during war

Indication and recognition of targets, judging distance and method for judging distance

Unit 3 Patrols, types of patrols, stages of patrolling and role of patrols during war

Military message writing, its importance, type and fill-up the military message writing

Unit 4 Military procedure important instructions for battle procedure, grouping for the

development Verbal order, sequ3ence of verbal orders and important instruction

Unit 5 Lecture on any theory topic of ten minutes

RECOMMENDED BOOKS

Section Training Abhyas : Major Ward

Samartantrik Abhyas : M.V. Verma and Sharma

Samartantrik Abhyas : Dr. Narendra Singh

Prayogatamak Pedal Samartantra :: Dr. S.K. Mishra, Modern Publisher, Jalandhar

Prayogatamak Sainya Vigyan : Part 2 : Shrivastava